

सम्पत्ति अबभार-प्रमाणपत्र

प्रमाण पत्र सं०.....567/13/3

आवेदन सं०.....567/13/3

श्री श्री ~~Secretary, Lok Vikash Trust, Bikaner~~ ~~Secretary, Lok Vikash Trust, Bikaner~~

संपत्ति के सम्बन्ध में विवरण प्रमाणपत्र के अन्तर्गत प्रमाणित किया गया है।
(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण है)

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त सम्पत्ति को प्रमाणित करने वाले दस्तावेजों और अबभारों के बारे में बही १ में और उसी सम्बन्ध अनुक्रमणियों में सं० 1983 में सं० update तक तस्मात की गई और देली तालासी के सब मित्त सम्बन्धकारों और अभ्यांती का पता चला है।

क्रम सं०	क) संपत्ति का विवरण	निष्ठादन की तिथि	ख) दस्तावेज प्रकार और पुस्तक	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रकृति के प्रति निर्देश		
				निष्ठादक	राशेदार	शिल्ल ॥	बन	पुस्तक
1								
	Mouza- Panchsukhi, No. 220, old Khata no- 28 (new-38, 139) plot no- 469 (New-649, 650, 651, 1126), & Khata No- 12 (new-99), plot no- 468 (new-648), Total Area-86 decimal. Land purchased in the name of Kumar B. E.D. College, Panchsukhi vide deed No- 830 dt- 13.02.2012. <i>free purchase</i>							

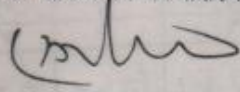
- क) दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें। *Anish Kumar*
- ख) १. बंधक-पत्र की दशा में ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते, कि इनके बारे में उल्लेख हो।
२. पट्टा की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

(२)

में यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपयुक्त संव्यवहार और अबभारों को छोड़, उक्त संपत्ति की प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अबभार का पता नहीं चलता है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की और प्रमाण-पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर)-



(पदनाम) -

Clerk

तलासी का सत्यापन और प्रमाणपत्र की जाँच निम्न व्यक्तियों ने की

(हस्ताक्षर)-

MKSinh

(पदनाम) -

Clerk

कार्यालय

D.S.R. Office Dombivli



तारीख 12.04.2013

निबन्धन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

12.04.2013

टिप्पणी - इस प्रमाणपत्र में जो संव्यवहार और अबभार दिखाये गये हैं व आवेदक द्वारा गणा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं इन्हीं सम्पत्तियों की निबन्धित दस्तावेजों में दिखाया गया हो, तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेक्शन्स) इस प्रमाण पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

२) निबन्धन अधिनियम की धारा ५७ के अधीन जो व्यक्ति बहियो और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियाँ देखाना चाहते हो, अथवा जो उनका प्रतिलिपि लेना चाहते हो अथवा गिन्ने विनिर्दिष्ट संपत्तियों के अबभारों के प्रमाणपत्रों की जरूरत हो उन्हें तलासी स्वयं करना होगा। विहित फीस का गुप्तान करने पर बहिया और अनुक्रमणियों उनके सामने रख दी जायेगी।

क) किन्तु चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिए कार्यालय ने अपेक्षित तलासी अपने गणराक तावधानी से की है। फिर भी विभाग प्रमाणपत्र में दिये गये तलासी परिणाम की रिपोर्ट गूल के लिए निरती भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

ख) और चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासा स्वयं की है और चूंकि उसके द्वारा पड़े गये संव्यवहारों और अबभारों को सत्यापन के बाद प्रमाणपत्र में दिया गया है। इसलिए विभाग आवेदक द्वारा न किये गये ऐसे संव्यवहारों और अबभारों को गूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।